

श्रीमती गुलाबी सपेरा

Smt. Gulabi Sapera



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्रीमती गुलाबी सपेरा

श्रीमती गुलाबी सपेरा, गुलाबो के नाम से लोकप्रिय एक ऐसी सुप्रसिद्ध लोक कलाकार है जिन्होंने न केवल मोहक नृत्य शैली "कालबेलिया" को संकल्पित एवं नाट्यबद्ध करते हुए विश्व–भर में पहचान बनाई है, अपितु अपने खानाबदोश समाज को एक कल्पनातीत पहचान भी दिलाई है। संस्कृति और पर्यटन के संदर्भ में कालबेलिया नृत्य आज उन मुख्य विशेषताओं में से एक है जिसके लिए राजस्थान को जाना जाता है।

2. आपका जन्म 9 नवंबर, 1970 को अजमेर की कालबेलिया जनजाति में हुआ, परिवार की चौथी बेटी होने के कारण सामाजिक दबाव के चलते आपके माता–पिता ने अपनी अनिच्छा होते हुए भी आपको दफना दिया किंतु आप भाग्यशाली रहीं और लगभग छह घण्टे बाद आपको जीवित बाहर निकाल लिया गया। आपके पिता ने बहुत कम आयु में आपको सड़कों पर सांप का खेल दिखाने के लिए साथ ले जाना प्रारंभ कर दिया, अपनी इस आजीविका और सर्पों के साथ पलने–बढ़ने के कारण आपने सर्पों की तरह ही नृत्य करना प्रारंभ कर दिया। एक बार आपको ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की पवित्र दरगाह जाने का अवसर मिला और उस पवित्र दरगाह से आपको आशीर्वाद स्वरूप एक गुलाब का फूल प्राप्त हुआ और यहीं से आपके नए नाम "गुलाबो" की शुरुआत हुई। आप 1981 में सात वर्ष की आयु में पुष्कर मेले में पर्यटन विभाग के किसी प्रतिनिधि की नजर में आईं और आपको विदेशियों के समूह के सम्मुख नृत्य करने की पेशकश की गई जहां आपको प्रचुर वाहवाही मिली। इस सार्वजनिक प्रदर्शन से आपका समाज क्रुद्ध हो उठा और सामाजिक पंचायत ने आपके परिवार का बहिष्कार कर दिया। इन अवरोधों को नहीं तोड़ पाने के कारण, अंततरू, आप अपने परिवार और प्रोमोटरों की सहायता से जयपुर आ गईं।

3. वर्ष 1985 में आपको अमेरिका के लिए एक सांस्कृतिक दल में सम्मिलित होने का प्रस्ताव मिला जिसका पुनः अत्यंत विरोध किया गया, लेकिन इन विरोधों का मुकाबला करते हुए आप अमेरिका गईं और वहां लगातार दो माह तक प्रदर्शन किए। आपकी नृत्य शैली से प्रभावित होने के कारण आपको स्थाई रूप से अमेरिका में बसने और नृत्य सिखाने का प्रस्ताव दिया गया जो आपने अस्वीकार कर दिया। अमेरिका में आपके अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनों से आपको राजस्थान की लोक परंपराओं के दूत के रूप में पहचान मिली। आपने 153 देशों की यात्रा की है। आपने डेनमार्क और फ्रांस जैसे देशों के संस्थानों में विजिटिंग फैकल्टी के तौर पर भी यात्राएं की हैं। अखिल भारतीय कालबेलिया समुदाय के अध्यक्ष के तौर पर, आज आपको स्वयं में एक संस्था स्वरूप माना जाता है।

4. आप पुष्कर में अपने समुदाय के लोगों के मध्य रहते हुए एक नाट्य विद्यालय खोलने की इच्छुक हैं। आपके द्वारा स्थापित गुलाबी सपेरा संगीत संस्थान के माध्यम से आपने अपने समुदाय की लड़कियों और लड़कों को शिक्षित करने का पाठ्यक्रम भी शुरू किया है। वर्ष 2011 में आपने रियलिटी टेलीविजन शो बिग–बॉस–5 में भी भूमिका निभाई है।

5. आपको देश और विदेश में अनेकानेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

Smt. Gulabi Sapera

Smt. Gulabi Sapera, a legendry folk artist popularly known as Gulabo not only got the flamboyant dance style "Kalbeliya", conceptualized and choreographed by herself, identified across the globe but got her community, a nomadic one, a never imagined recognition. Kalbeliya dance is today one of the major features the state of Rajasthan is identified with on culture and tourism map.

2. Born on November 9, 1970 in Kalbeliya tribe in Ajmer, her parents buried her on pressure from the community despite their unwillingness due to her being 4th girl child but she was lucky to be exhumed alive after almost six hours. Her father started taking her along in a very tender age for the snake show on the roads, their staple profession and growing up with the snakes, she started dancing like the snakes. Once she was taken to the holy shrine of khwaza moinuddin chishti, where the shrine blessed her with a rose flower and here she got the new name "GULABO". She was noticed by some representatives of tourism department in a fair at Pushkar at the age of seven years in 1981 and was offered to dance before a group of foreigners, which won enormous appreciation. This public performance enraged her community and the community panchayat slapped her family with social boycott. Unable to beat this resistance, she finally shifted to Jaipur with the help of her family and her promoters.

3. Smt. Gulabi Sapera got an offer to join a culture crew for the USA in 1985, which again was opposed heavily, but overcoming this opposition, she finally left for the USA and performed continuously for two months there. Impressed by the dance form, she got an offer to live there permanently and teach the dance but she refused. This overseas performance in the US established her as an ambassador of the folk heritage of Rajasthan. She has visited 153 countries. She has also visited as a visiting faculty at institutions in countries like Denmark and France. As the President of the all India Kalbeliya community, today she is treated as an institution.

4. Smt. Gulabi Sapera wishes to set up a dance school in Pushkar, amidst the people of her own community. She has also taken up the course of educating the girls and boys of community through the Gulabi Sapera Sangeet Sansthan, set up by her. In 2011, she featured in reality television show BIGG BOSS 5.

5. Smt. Gulabi Sapera has been honoured with plethora of national and international awards.